एयर-शो में उमड़ा जनसैलाब

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

आईआईटी बीएचयू के 'टेक्नेक्स-2019' महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को जिमखाना ग्राउंड में प्रो. वीरभद्र मिश्र स्मृति 'एयर-शो' का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। एयर-शो कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा दर्शाने के लिए आईआईटीयंस दिसम्बर से ही तैयारी शुरू कर देते है। एयर-शो में अनेक हवाई प्रारूपों को उड़ाने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया गया था।

एयर-शो कार्यक्रम में 25 से ज्यादा हवाई मॉडल देखने को मिले। इसमें पेट्रोल व विद्युत दोनों ऊर्जा का उपयोग किया गया। 'ब्लैक हॉक', 'ऑक्टाक्वाप्टर', 'क्वाड कॉप्टर', 'सेवियर प्लेन', 'जेस्टर कंट्रोल' 'सीसी 62 पेट्रोल इंजन प्लेन' आदि शामिल रहे। ये सारे मॉडल इंडियन एयरफोर्स की मदद को ध्यान में रखते हुए बनाए गए। इसके अलावा हाथ के पंजों से कंट्रोल करने वाला ड्रोन, ट्राईकॉप्टर, रेसिंग क्वाड ड्रोंस, रेसिंग प्लेन भी देखने को मिले, जो पलक झपकते ही खुले आसमान में अपने करतब, (हावई स्टंट) दिखाये। ये सभी मॉडल पूरी तरह वायरलेस तकनीक पर आधारित थे। आईआईटीयंस की प्रतिभा देखने के लिए बड़े पैमाने पर भीड़ भी इकट्ठा हुई थी, जिनके मनोरंजन के लिए क्वाडकॉप्टर ड्रोन की मदद से उनपर फूल बरसाए गए। इसके साथ ड्रोन की मदद से रंग उछालकर मन मोहित कर देने वाला भव्य तिरंगे का प्रदर्शन भी किया गया।

टेक्नेक्स-2019 संपन्न

शो में 25 वायरलेस मॉडल इंडियन एयरफोर्स की मदद को देखते हुए प्रदर्शित किए गए

दर्शकों के ऊपर ड्रोन से किया गया फूलों की वर्षा

डीजे आली के गायन पर लगाये ठुमके

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू का वार्षिक महोत्सव 'टेक्नेक्स-2019' का समापन सुप्रसिद्ध पंजाबी गायक डीजे आली के धमाकेदार संगीतमय प्रस्तुति से हुआ। तीन दिन की इंजीनियरिंग से थके हुए छात्रों ने खूब ठुमके लगाए। आगंतुक छात्रों ने भी कार्यक्रम का खूब आनन्द उठाया।

इस मौके पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अवार्ड से सम्मानित हरिओम कुमार सिंह ने 10 मिनट में फास्ट पेंटिंग द्वारा महामना मालवीय का एक सुन्दर चित्र बनाया। तीन दिन चले टेक्नेक्स में जहां प्रतिभागियों ने अपने कौशल को बखूबी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के तहत 'पल्स क्रॉस द प्लैक' वीआर आधारित गेम की रोमांचक प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया गए। 'द मैजिक शो' में प्रसिद्ध जादूगर श्रीराम राठी ने चीजों को गायब करना, उनके करतब में से एक रहा। वह अचानक से 10 रुपये का नोट दर्शकों के सामने ले आए। यह जादू और संगीत का एक संतुलित मिश्रण था। रैपर बॉबी और शिवांशु सिन्हा ने हिप-हॉप फ्रीक से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। एसबी, राजपूताना ग्राउंड और एनसीसी ग्राउंड में कई आकर्षक खेल आयोजित किये गये, जिसमें एसबी, सिट डाउन, आर्चरी में बंजी बास्केटबॉल, राजपूताना ग्राउंड में फुटबॉल और एनसीसी ग्राउंड में पेंटबॉल शामिल थे। एसबी में जुगलिंग और लाइट शो में दुनियाभर के बाजीगर और करतबबाज शामिल थे।

उसने मेरे चेहरे पर एसिड फेंका, सपनों पर नहीं : लक्ष्मी

वाराणसी। मैं पीड़ित नहीं, एक योद्धा हूं, मेरे चेहरे पर तेजाब फेंकने वाला व्यक्ति अपना चेहरा ढकेगा, मै नही।' यह कहना है लक्ष्मी अग्रवाल का। लक्ष्मी आईआईटी में आयोजित 'टेक्नेक्स-2019' के अंतिम दिन बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थी। स्वतंत्रता भवन में आईटीयंस को जब उन्होंने आपबीती बतायी तो अच्छे-अच्छों के चेहरे पर ऐसे लोगों के प्रति साफ गुस्सा झलकने लगा जो महिलाओं पर एसिड फेंकने जैसी गंदी हरकत करते हैं। लक्ष्मी ने मंच से बताया कि मेरा जन्म दिल्ली में हुआ और बचपन भी वहीं बीता। ट्यूशन के लिए जाते समय एक व्यक्ति रास्ते में मेरा पीछा किया करता था। वह मेरी उपेक्षा से नाराज था। इस लिए उसने अपने दो दोस्तों के साथ मुझपर एसिड फेंक दिया। मुझे एक टैक्सी चालक ने बचाया और सफदरजंग अस्पताल ले गया। हालांकि यह कठिन था, फिर भी मैं इससे उबर गई। हम कभी भी उस शक्ति के भंडार को समझ नही पाएंगे, जिसे लक्ष्मी ने अपने जीवन के साथ जारी रखने के लिए आकर्षित किया था। नौकरी के लिए आवेदन करने वाले लोगों से अस्वीकृति का सामना करने के बाद, उन्होंने नए सपने देखे। उन्होंने अपनी संगठन की शुरुआत की और फैसला किया कि वह अब उन अन्य महिलाओं की मदद करेगी, जिन्होंने एसिड अटैक का सामना किया है। इसके लिए उन्होंने असंख्य अभियान चलाए और संगठन के मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाया।